



सा. अका. 16 / 14

26 फरवरी 2021

प्रेस विज्ञप्ति

प्रो. वेलचेरु नारायण राव को साहित्य अकादेमी की मानद महत्तर सदस्यता

साहित्य अकादेमी की आम सभा ने, अकादेमी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में हुई अपनी बानबे वीं बैठक में लब्धप्रतिष्ठ विद्वान, लेखक, अनुवादक और समालोचक प्रो. वेलचेरु नारायण राव को साहित्य अकादेमी का मानद महत्तर सदस्य चुना है। साहित्य अकादेमी की महत्तर सदस्यता देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है।

प्रो. वेलचेरु नारायण राव साहित्य अकादेमी के 14वें विद्वान हैं, जो साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य बनेंगे। श्री लियोपोल्ड सेदर सेंघोर, प्रो. कामिल वी ज्वेलेबिल, श्री वी.एस. नायपाल और प्रो. डेनियल एच.एच. इंगाल्लस साहित्य अकादेमी के पूर्व मानद महत्तर सदस्य रहे हैं।

प्रो. नारायण राव लब्धप्रतिष्ठ विद्वान, लेखक, विद्याविद् और अनुवादक हैं, जिन्होंने तेलुगु साहित्य, दक्षिण भारतीय इतिहास और अनेक मौलिक कृतियों के अनुवाद में अपना योगदान किया है। *गर्ल्स फॉर सेल : कन्याशुल्कम्, ए प्ले फ्रॉम कोलोनियल इंडिया, गॉड ऑन द हिल : टेम्पल सांग्स फ्रॉम कोलोनियल इंडिया, गॉड ऑन द हिल : टेम्पल सांग्स फ्रॉम तिरुपति* (डेविड सुलेमान के साथ), *टेक्सचर्स ऑफ टाइम : राइटिंग हिस्ट्री इन साउथ इंडिया* (संजय सुब्रह्मण्यम और डेविड सुलेमान के साथ सहलेखन) और *हिबिस्कस ऑन द लेक : ट्वेंटीथ सेंचुरी तेलुगु पोएट्री फ्रॉम इंडिया* आदि आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं। वैश्विक धरातल पर दक्षिण भारतीय साहित्य को प्रतिष्ठित करने वाले विद्वानों में आप प्रमुख हैं। प्रो. नारायण राव येरुशलम के हिब्रू विश्वविद्यालय के उन्नत अध्ययन संस्थान तथा मेडीसन विश्वविद्यालय में मानविकी अनुसंधान संस्थान के फेलो हैं। प्रो. नारायण राव को अनुवाद के लिए ए.के. रामानुजन पुरस्कार तथा राधाकृष्णन स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

(के. श्रीनिवासराव)